काशी में उफनाई गंगा, विश्वनाथ धाम में घुसा पानी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : वाराणसी में गंगा के जलस्तर में निरंतर वृद्धि से बाढ़ क्षेत्र में विस्तार होता जा रहा है। रविवार देर रात बाढ़ का पानी श्रीकाशी विश्वनाथ धाम परिसर के निचले हिस्से में प्रवेश कर गया। मणिकर्णिका घाट पर निर्माणाधीन रैंप के हिस्से से होते हुए घुसे पानी से जलासेन पथ व सीवेज पंपिंग प्लांट जलाजल हो गया है। राहत की बात यह है कि गंगाद्वार समेत श्रद्धालुओं के आवागमन वाले हिस्से और भवन आदि को उच्चतम बाढ़ बिंदु (हाई फ्लड लेवल) से ऊपर बनाया गया है।

मणिकर्णिका घाट स्थित घोड़साल बिल्डिंग में पानी भर जाने से प्रथम तल पर शवदाह किया जा रहा है। हरिश्चंद्र घाट के डूब जाने से ऊपर गली में शवदाह करना पड़ रहा है। वहीं गोमती किनारे तक दर्जनों गांव

वाराणसी में गंगा में आई बाढ़ का पानी श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में प्रवेश कर गया है। मणिकर्णिका घाट छोर पर बन रहे रैंप की ओर से होते हुए पानी परिसर के पिछले हिस्से में पहुंच गया है। सुरक्षा की दृष्टि से नाव भी मंगा ली गई हैं ● जागरण

और फसलें जलमग्न हो गए हैं। ढाब क्षेत्र में सोता पुल मार्ग पर गंगा का पानी चढ़ आया है।

थमा चंबल का उफान, बुंदेलखंड में जलस्तर में कमी से राहत: बुंदेलखंड में केन, बेतवा, सिंध व पहुज, वहीं इटावा में चंबल, फतेहपुर में यमुना और फर्रुखाबाद में गंगा नदी का जलस्तर कम होने से बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत मिली है। प्रयागराज में गंगा, यमुना के जलस्तर में मामूली बढ़त है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक यमुना 12 घंटे में पौने दो मीटर उतरी है।

nwda.gov.in